हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(बसंत)(पाठ 11)(हेलेन केलर – जो देखकर भी नहीं देखते)

(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

'जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं' हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था ?

उत्तर 1:

हेलेन केलेर को ऐसा इसलिए लगता था क्योंकि ऑखों वाले लोग प्रकृति की सुंदरता को नजर–अंदाज कर देते हैं वे ऑखे होते हुए भी कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग–अलग सुंदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है।

प्रश्न 2:

'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है ?

उत्तर 2:

वसंत के दौरान मैं टहनियों में नयी कलियों का खिलना फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह होना उनकी घुमावदार बनावट टहनी पर हाथ रखते ही किसी चिड़िया के मधुर स्वर कानों में गूँजने लगनां। अपनी अँगुलियों के बीच झरने के पानी को बहते हुए महसूस करना , चीड़ की फैली पत्तियाँ या घास का मैदान किसी भी महँगे कालीन सा लगना यह सब प्रकृति का जादू ही तो है ।

प्रश्न 3:

'कुछ खास तो नहीं' हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ ?

उत्तर 3:

जब हेलेन ने जंगल की सैर करके लौटी अपनी मित्र से पूछा कि जंगल में क्या देखा और वहॉ कैसा लग रहा था ? उसका जवाब था कुछ खास तो नहीं, , मुझे बहुत अचरज नहीं हुआ क्योंकि मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी हूँ। मेरा विश्वास है कि जिन लोगों की आँखें होती हैं, वे बहुत कम देखते हैं।

प्रश्न 4:

हेलेन केलर प्रकृति की किन चीजों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं ? पाठ के आधार पर इसका उत्तर लिखो।

उत्तर 4:

हेलेन केलर भोज–पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड़ की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती थीँ। वसंत के दौरान टहनियों में नयी कलियाँ खोजती थीं। फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने में जो आनंद मिलता था उसे देखकर भी नहीं महसूस किया जा सकता ।

प्रश्न 5:

'जबकि इस नियामत से ज़िंदगी को खुशियों के इन्द्रधनुषी रंगों से हरा–भरा किया जा सकता है।' तुम्हारी नजर में इसका क्या अर्थ हो सकता है ?

उत्तर 5:

इसका यही अर्थ है कि हमें पकृति में ही अपने जीवन की खुशियों को ढूंढ़ना चाहिए न कि उससे मुँह मोड़ना चाहिए । इस दुनिया के अलग–अलग सुंदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है। यह कितने दुख की बात है कि दृष्टि के आशीर्वाद को लोग एक साधारण–सी चीज समझते हैं, जबकि इस नियामत से जिदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा–भरा किया जा सकता है।